एशियाई विकास बैंक

भारत : चेन्नई–कन्याकुमारी औद्योगिक गलियारे के लिए एक व्यापक मास्टर योजना की तैयारी में सहायता प्रदान करना

परियोजना का नाम	चेन्नई–कन्याकुमारी औद्योगिक गलियारे के लिए एक व्यापक मास्टर योजना की तैयारी में सहायता प्रदान करना
परियोजना की संख्या	51323-001
देश	भारत
परियोजना की स्थिति	सक्रिय
परियोजना प्रकार/ सहायता की विधि	तकनीकी सहायता
निधीयन का स्रोत/राशि	**टीए 9446- आईएनडी : चेन्नई–कन्याकुमारी औद्योगिक गलियारे के लिए एक व्यापक मास्टर योजना की तैयारी में सहायता प्रदान करना**
	कोरिया ई–एशिया गणतंत्र तथा ज्ञान साझीदारी निधि अमेरिकी डालर 1.60 मिलियन
रणनीतिक कार्यसूची	समावेशी आर्थिक विकास क्षेत्रीय एकीकरण
परिवर्तन के प्रेरक	शासन और क्षमता विकास ज्ञान समाधान निजी क्षेत्र विकास
सेक्टर/उप–सेक्टर	**उद्योग तथा व्यापार –** उद्योग तथा व्यापार क्षेत्र का विकास **सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन –** सार्वजनिक प्रशासन **परिवहन –** परिवहन नीतियां तथा सांस्थानिक विकास **जल तथा अन्य शहरी अवसंरचना और सेवाएं –** शहरी नीति, सांस्थानिक तथा क्षमता विकास
लैंगिक समानता और मुख्यधारीकरण	कुछ लैंगिक तत्व
विवरण	टीए चेन्नई–कन्याकुमारी औद्योगिक गलियारे की दो प्राथमिक सम्मतियों हेतु एक व्यापक मास्टर योजना की तैयारी को सहायता प्रदान करेगा। दो सम्मतियां हैं, थूथुकुडी–तिरुनएल्वेली तथा मदुरै–विरुद्धुनगर–दिंदीगुल–थेनी। मास्टर योजना लक्षित उद्योगों तथा उप–उद्योगों, गलियारा तथा सम्मति स्तरों पर अवसंरचना की लागत और विकास चरण तथा गलियारा के प्रबंधन हेतु एक सांस्थानिक रूपरेखा के लिए एक विस्तृत संस्तुति उपलब्ध कराएगी। मास्टर योजना क्षेत्र विशेष में उद्योगों और अवसंरचना के महत्वपूर्ण अंतरालों तथा व्यापक बाजार संभावना की भी पहचान करेगी; सीकेआईसी के वित्तीय तथा आर्थिक पहलुओं का विश्लेषण करेगी; तथा एक ऐसे सामर्थ्यवान वातावरण हेतु विनियामक और क्रियान्वयनकारी रूपरेखा की पहचान करेगी जो कि स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देता हो, विश्व–स्तरीय अवसंरचना स्थापित करता हो और वैश्विक निवेश आकर्षित करता हो।
परियोजना तर्काधार और देश/क्षेत्रीय रणनीति के साथ संबंध	भारत का विनिर्माण क्षेत्र रोजगार सृजन तथा आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है, परंतु सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान कम है और यह पूर्वी एशिया और दक्षिण एशियाई देशों की तुलना में कम प्रतिस्पर्द्धी है। राष्ट्रीय आर्थिक नीति तथा विनिर्माण क्षेत्र के जीडीपी अंश को बढ़ाने और रोजगार सृजन करने के कार्यनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने में सहायता प्रदान करने हेतु भारत सरकार ने आर्थिक गलियारा विकास (ईसीडी) को एक कार्यनीति के रूप में अंगीकार किया है, ताकि सरकार शहरी और औद्योगिक समूहों के एकीकरण के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सके तथा अपने विनिर्माण आधार को क्षेत्रीय मूल्यवान श्रृंखलाओं और वैश्विक उत्पादन कार्यक्रमों के साथ जोड़ सके। तमिल नाडु की सरकार ने भी चेन्नई–कन्याकुमारी औद्योगिक गलियारा के विकास के माध्यम से विनिर्माण प्रगति को प्रोत्साहित करने हेतु ईसीडी को एक नीति उपकरण के रूप में अंगीकृत किया है।
प्रभाव	विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्द्धा को सुधारा गया
परियोजना परिणाम	
परिणाम का वर्णन	सीकेआईसी का विकास करने के लिए मास्टर योजना का उपयोग किया गया
परिणाम की दिशा में प्रगति	

कार्यान्वयन प्रगति	
परियोजना आउटपुट्स का विवरण	सीकेआईसी में दो औद्योगिक सम्मतियों के स्थापनार्थ कार्यनीतिक रूपरेखा और नीतियों का प्रस्ताव रखा गया। सीकेआईसी सम्मतियों की निवेशक जागरूकता बढ़ाई गई
कार्यान्वयन प्रगति की स्थिति (आउटपुट्स, गतिविधियां तथा मुद्दे)	
भौगोलिक अवस्थिति	चेन्नई, कन्याकुमारी
पर्यावरण संबंधी तथा सामाजिक मुद्दों का सारांश	
पर्यावरण पहलू	
अस्वैच्छिक पुनर्वास	
स्वदेशी लोग	
स्टेकहोल्डर संचार, प्रतिभागिता और परामर्श	
परियोजना डिजाइन के दौरान	
परियोजना कार्यान्वयन के दौरान	
व्यवसाय के अवसर	
परामर्शी सेवाएं	टीए, 75 व्यक्ति–माह हेतु एक परामर्शन फर्म को कार्यव्यस्त करेगा। परामर्शन फर्म सीकेआईसी की मास्टर योजना तैयार करेगी। टीए, 18 व्यक्ति–माह हेतु अंतर्राष्ट्रीय परामर्शकों तथा 48 व्यक्ति–माह हेतु राष्ट्रीय परामर्शकों को भी कार्यव्यस्त करेगी। ये परामर्शक एसएआरडी के पदनामित अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य को प्रतिवेदन सौंपेंगे, जो कि दल का नेतृत्वकर्ता के रूप में कार्य करेंगे और परामर्शन कार्य का निरीक्षण करेंगे। एडीबी परामर्शकों को एडीबी अधिप्राप्ति नीति (2017, समय–समय पर संशोधितानुसार) का अनुसरण करते हुए कार्यव्यस्त करेगा।
प्रापण	लागू नहीं
जिम्मेदार एडीबी अधिकारी	जियोंग, हो यून
जिम्मेदार एडीबी विभाग	दक्षिण एशिया विभाग
जिम्मेदार एडीबी प्रभाग	क्षेत्रीय सहयोग तथा प्रचालन समन्वयन प्रभाग, एसएआरडी
निष्पादक अभिकरण	*एशियन विकास बैंक* *6 एडीबी एवेन्यू,* *मंडलूयोंग सिटी 1550, फिलीपीन्स*
समयसारणी	
अवधारणा मंजूरी	31 अक्टूबर 2017
तथ्य अन्वेषण	-
एमआरएम	-
अनुमोदन	07 दिसम्बर 2017
अंतिम पुनरीक्षा मिशन	-
अंतिम पीडीएस अद्यतन	08 दिसंबर 2017

टीए 9455- आइएनडी

मील के पत्थर

अनुमोदन	हस्ताक्षर की तिथि	प्रभावित तिथि	अनुमोदन समापन		
			मूल	संशोधित	वास्तविक
07 दिसम्बर 2017	10 जनवरी 2018	10 जनवरी 2018	31 मई 2020		

वित्तपोषण योजना/तकनीकी सहायता उपयोग						संचयी संवितरण		
एडीबी	सहवित्तपोषण	प्रतिपक्ष				कुल	तिथि	राशि
		सरकार	लाभार्थी	प्रोजेक्ट का प्रायोजक	अन्य			
0.00	1,600,000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1,600,000.00	07 दिसबंर 2017	4,033.90

परियोजना पृष्ट	https://www.adb.org/projects/51323-001/main
सूचना के लिए अनुरोध	http://www.adb.org/forms/request-information-form?subject=51323-001
निर्माण की तिथि	14 मई 2018

परियोजना डेटा शीट्स (पीडीएस) में परियोजना अथवा कार्यक्रम पर संक्षिप्त जानकारी दी गई है: क्योंकि पीडीएस प्रगति–में–कार्य होता है, इसके आरंभिक संस्करण में कुछ जानकारी सम्मिलित नहीं होना संभव है, परंतु यह उपलब्ध होते ही जोड़ दी जाएगी। प्रस्तावित परियोजनाओं के बारे में जानकारी अनंतिम एवं संकेतात्मक है।

एशियाई विकास बैंक इस परियोजना डेटा शीट (पीडीएस) में दी गई जानकारी इसके उपयोगकर्त्ताओं के लिए, किसी भी प्रकार के आश्वासन रहित संसाधन मात्र के रूप में उपलब्ध कराता है। यद्यपि एशियाई विकास बैंक उच्च गुणवत्ता की विषयवस्तु उपलब्ध कराने का प्रयास करता है, तदपि जानकारी विपण्यता, विशेष प्रयोजन हेतु उपयुक्तता और अनतिक्रमण की सीमांकन वारंटियों सहित किसी भी प्रकार की वारंटी, अभिव्यक्त अथवा अभिप्रेत, के बिना "जैसी है" आधार पर उपलब्ध कराई जाती है। एशियाई विकास बैंक ऐसी जानकारी की सटीकता अथवा पूर्णता के संबंध में विनिर्दिष्ट रूप से कोई वारंटी अथवा अभिवेदन प्रस्तुत नहीं करता है।